करेंट अफेयर्स

9 अगस्त 2022

खनिज सुरक्षा साझेदारी (एमएसपी)

पाठ्यक्रम: जीएस पेपर -1 (प्रमुख प्राकृतिक संसाधनों का वितरण), जीएस पेपर -2 (अंतर्राष्ट्रीय संधियां और समझौते)

संदर्भ: खनिज सुरक्षा साझेदारी में भारत को जगह नहीं मिलने पर सरकार में चिंता बढ़ रही है।

खनिज सुरक्षा साझेदारी **महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने के लिए एक महत्वाकांक्षी नई अमेरिकी नेतृत्व वाली साझेदारी है, जिसका उद्देश्य चिन ए पर निर्भरता को कम करना**है।

महत्वपूर्ण खनिजों की मांग, जो स्वच्छ ऊर्जा और अन्य प्रौद्योगिकियों **के लिए आवश्यक** हैं, आने वाले दशकों में काफी विस्तार करने का अनुमान है।

खनिज सुरक्षा साझेदारी के बारे में

- खनिज सुरक्षा साझेदारी (एमएसपी) महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने के लिए एक नई पहल है।
- अमेरिका और 10 **साझेदार-ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, जापान, कोरिया गणराज्य (दक्षिण कोरिया), स्वीडन, यूनाइटेड किंगडम और यूरोपीय आयोग** एमएसपी बनाने के लिए एक साथ आए हैं।
- नए समूह का उद्देश्य रणनीतिक अवसरों को विकसित करने और पर्यावरण, सामाजिक और शासन मानकों का पालन करने के लिए सरकारों और निजी क्षेत्र से निवेश को उत्प्रेरित करना है।
- नया समूह कोबाल्ट, निकल, लिथियम जैसे खनिजों की आपूर्ति श्रृंखलाओं के **साथ-साथ 17 दुर्लभ पृथ्वी खनिजों** पर ध्यान केंद्रित कर सकता है।
- इस गठबंधन को मुख्य रूप से चीन के विकल्प को विकसित करने पर केंद्रित माना जाता है, जिसने दुर्लभ पृथ्वी खनिजों में प्रसंस्करण बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है और कोबाल्ट जैसे तत्वों के लिए अफ्रीका में खानों का अधिग्रहण किया है।

गंभीर / दुर्लभ खनिजों के बारे में

- महत्वपूर्ण खनिज ऐसे तत्व हैं जो **आवश्यक आधुनिक प्रौद्योगिकियों के निर्माण खंड** हैं और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के जोखिम में हैं।
- इन खनिजों का उपयोग अब मोबाइल फोन, कंप्यूटर से लेकर बैटरी, इलेक्ट्रिक वाहन और सौर पैनल और पवन टरबाइन जैसी हरी प्रौद्योगिकियों को बनाने से लेकर हर जगह किया जाता है।
- **ग्रेफाइट, लिथियम और कोबाल्ट ईवी**बैटरी बनाने के लिए पुन: उपयोग किया जाता है।
- एयरोस्पेस, संचार और रक्षा उद्योग भी कई ऐसे खनिजों पर भरोसा करते हैं क्योंकि उनका उपयोग लड़ाकू विमानों, ड्रोन, रेडियो सेट और अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों के निर्माण में किया जाता है।
- जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों में उपयोग की जाने वाली बैटरी के लिए सी**ओबाल्ट, निकल और लिथियम** की आवश्यकता होती है, दुर्लभ पृथ्वी खनिज महत्वपूर्ण होते हैं, ट्रेस मात्रा में, अर्धचालक और उच्च अंत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में

अर्थ

- जैसा कि दुनिया भर के देश स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर अपने संक्रमण को बढ़ाते हैं, ये सी**रिटिकल संसाधन पारिस्थितिकी तंत्र की कुंजी हैं जो इस परिवर्तन को ईंधन देता है।**
- कोई भी आपूर्ति झटका महत्वपूर्ण खनिजों की खरीद के लिए दूसरों पर अधिक निर्भर देश की अर्थव्यवस्था और रणनीतिक स्वायत्तता को गंभीर रूप से खतरे में डाल सकता है।

एमएसपी से बाहर रहना भारत के लिए चिंता का विषय क्यों है?

क्रिटिकल मिनरल्स की आपूर्ति:

- भारत की विकास रणनीति के प्रमुख तत्वों में से एक सार्वजनिक और निजी परिवहन के एक बड़े हिस्से को इलेक्ट्रिक वाहनों में परिवर्तित करने के माध्यम से **गतिशीलता अंतरिक्ष में एक महत्वाकांक्षी बदलाव** द्वारा संचालित है।
- यह, एक **ठोस इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण धक्का के साथ, महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति को सुरक्षित करने की आवश्यकता को रेखांकित करता है।**

अन्य देशों पर निर्भरता:

- दुर्लभ पृथ्वी में सत्रह तत्व शामिल हैं और इसे **हल्के आरई तत्वों (एलआरईई) और भारी आरई तत्वों (एचआरईई) के** रूप में वर्गीकृत किया गया है।

- कुछ आरई भारत में उपलब्ध हैं जैसे कि **लैंथनम, सेरियम, नियोडिमियम, प्रैसियोडिमियम और समरियम**, जबकि अन्य जैसे **डिस्प्रोसियम, टेरबियम, यूरोपियम जिन्हें एचआरई ई के रूप में वर्गीकृत किया गया है, भारतीय जमाओं**में निकालने योग्य मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं।
- भारत को ऐसे तत्वों के लिए आपूर्ति सहायता की आवश्यकता होगी।

प्रौद्योगिकी की स्थिति:

- उद्योग पर नजर रखने वालों का कहना है कि भारत को समूह में जगह नहीं मिली होगी, इसका एक कारण यह है कि **देश मेज पर बहुत अधिक विशेषज्ञता नहीं लाता है।**
- समूह में ऑस्ट्रेलिया **और कनाडा** जैसे देशों के पास उन्हें निकालने के लिए भंडार और तकनीक है और जापान जैसे देशों के पास उन्हें संसाधित करने की तकनीक है।

महत्वपूर्ण खनिजों के संबंध में भारत ने क्या किया है?

लिथियम समझौता:

- 2020 के मध्य में, भारत ने एक नई फ्लोटेड राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी के माध्यम से, अर्जेंटीना की एक फर्म के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे ताकि दक्षिण अमेरिकी देश में संयुक्त रूप से लिथियम की संभावना हो, जिसके पास दुनिया में धातु का तीसरा सबसे बड़ा भंडार है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया महत्वपूर्ण खनिज निवेश साझेदारी:

- भारत और ऑस्ट्रेलिया ने **महत्वपूर्ण खनिजों के लिए परियोजनाओं और आपूर्ति श्रृंखलाओं** के क्षेत्र में अपनी साझेदारी को मजबूत करने का फैसला किया।
- **ऑस्ट्रेलिया के पास** उत्सर्जन को कम करने और भारत के **अंतरिक्ष और रक्षा उद्योगों और सौर पैनलों, बैटरी और इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण खनिजों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारत की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में मदद करने के लिए संसाधन हैं।**

स्थिर सिक्का

पाठ्यक्रम: जीएस पेपर -3 (आईटी और कंप्यूटर)

संदर्भ: जुलाई की शुरुआत में, **वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी),** एक निकाय जो अंतरराष्ट्रीय वित्त पर प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को सलाह देता है, ने क्रिप्टोक्यूरेंसी बाजार में **"हालिया उथल-पुथल"** का हवाला देते हुए स्थिर सिक्का विनियमन के लिए धक्का देने का वादा किया।

समूह अक्टूबर में जी 20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों को स्थिर सिक्कों और अन्य क्रिप्टो परिसंपत्तियों के लिए नियामक और पर्यवेक्षी दृष्टिकोण पर रिपोर्ट करने के लिए तैयार है।

स्टेबलकॉइन्स के बारे में

- एक स्थिर सिक्का **एक डिजिटल मुद्रा है जिसका मूल्य एक 'स्थिर' परिसंपत्ति के लिए आंका जाता है, जैसे कि अमेरिकी डॉलर या सोना।**
- क्रिप्टो पारिस्थितिकी तंत्र में सबसे अच्छा ज्ञात स्थिर सिक्का **तर्कसंगत रूप से टीथर (यूएसडीटी) है, जिसका बाजार पूंजीकरण $ 66 बिलियन के करीब है**, जो इसे अस्तित्व में दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एथेरियम से नीचे रखता है।
- **USD Coin (USDC) और Binance USD (BUSD)** जैसे अन्य स्थिर सिक्के भी अमेरिकी डॉलर के लिए आंके जाते हैं और अपने उच्च बाजार पूंजीकरण मूल्यों के लिए जाने जाते हैं।
- टीथर ने हाल ही में ब्रिटिश पाउंड के लिए एक स्थिर सिक्का भी लॉन्च किया।
- स्टेबलकॉइन **देश के सांसदों या केंद्रीय बैंकों द्वारा उपयोग के लिए अधिकृत नहीं हैं, जिसका अर्थ है कि निवेशक उन्हें पकड़ने के लिए काफी कानूनी और वित्तीय जोखिम लेते हैं।**

स्थिर सिक्कों के प्रकार

फिएट-संपार्श्विक स्टेबलकॉइन:

- वे 1: 1 अनुपात पर अमेरिकी डॉलर, यूरो, या पाउंड जैसे फिएट मनी द्वारा संपार्श्विक होते हैं।
- उदाहरण: टीथर, मिथुन डॉलर, और ट्रूएसडी।

अन्य परिसंपत्तियों द्वारा समर्थित स्थिर सिक्के:

- कुछ स्थिर हैंकॉइन, जो कई परिसंपत्तियों (वाणिज्यिक पत्र, बांड, अचल संपत्ति, कीमती धातुओं, आदि) की टोकरी द्वारा समर्थित हैं।
- इन स्थिर सिक्कों के मूल्य में समय के साथ उतार-चढ़ाव हो सकता है जो कमोडिटी और कीमती धातु की कीमतों में आंदोलन के अधीन है।

- उदाहरण: डिजिक्स गोल्ड, भौतिक सोने द्वारा समर्थित।

क्रिप्टो-संपार्श्विक स्थिर सिक्के:

- क्रिप्टो-संपार्श्विक स्थिरकॉइन अपने साथियों की तुलना में अधिक विकेन्द्रीकृत होते हैं और क्रिप्टोकरेंसी द्वारा समर्थित होते हैं।
- फ्लिपसाइड मूल्य अस्थिरता है और मूल्य अस्थिरता के जोखिम को संबोधित करने के लिए, ये स्थिर सिक्के अधिक संपार्श्विक हैं।
- उदाहरण: दाई।

गैर-संपार्श्विक स्थिर सिक्का:

- इन स्थिर सिक्कों का कोई समर्थन नहीं है और सही अर्थों में विकेन्द्रीकृत हैं और गैर-संपार्श्विक स्थिर सिक्कों की आपूर्ति एल्गोरिदम द्वारा शासित होती है।
- उदाहरण: आधार

क्रिप्टो पारिस्थितिकी तंत्र में स्थिर सिक्कों की भूमिका

- एक क्रिप्टोक्यूरेंसी व्यापारी के लिए, **स्थिर कोइन प्रवाह को ट्रैक करने से उन्हें बाजार की स्थिति को मापने में मदद मिल सकती है, या यहां तक कि भविष्य के क्रिप्टोक्यूरेंसी मूल्य आंदोलनों के बारे में शिक्षित अनुमान भी लगाया जा सकता है।**
- उदाहरण के लिए, जब क्रिप्टो एक्सचेंजों पर स्थिरकोइन आपूर्ति स्पाइक्स होती है, तो यह एक संकेत हो सकता है कि निवेशक बिटकॉइन (बीटीसी), ईथर (ईटीएच), या यहां तक कि अन्य ऑल्ट सिक्कों जैसे क्रिप्टोकरेंसी खरीदने के लिए अपने स्थिर सिक्कों को भुना रहे हैं।
- दूसरी ओर, यदि स्थिर क्रिप्टो एक्सचेंजों पर स्थिरकोइन आपूर्ति अचानक गिर जाती है, तो कोई यह निष्कर्ष निकाल सकता है कि व्यापारी स्थिर संपत्ति खरीद रहे हैं। इसका मतलब यह हो सकता है कि व्यापारी भविष्य के जोखिम और अस्थिरता के खिलाफ बचाव करना चाहते हैं, या डर से प्रेरित हैं।

स्थिर संबंधों से संबंधित चिंताएं

अल्पकालिक ऋण से संबंधित:

- कई स्थिर सिक्कों को अल्पकालिक ऋण के प्रकारों द्वारा समर्थित किया जाता है जो अतरलता की अवधि के लिए प्रवण होते हैं, जिसका अर्थ है कि वे परेशानी के समय व्यापार करने के लिए कठिन या असंभव हो सकते हैं।

सभी स्थिर नहीं हैंस्थिर हैं:

- सभी स्थिर नहींकॉइन वास्तव में 100% मूल्य-स्थिर हैं। उनके मूल्य उनकी अंतर्निहित परिसंपत्तियों पर निर्भर हैं।

परिसंपत्ति छूत जोखिम:

- स्थिर सिक्का आरक्षित होल्डिंग्स के परिसमापन से जुड़े संभावित परिसंपत्ति छूत जोखिम हैं।
- छूत एक बाजार या क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में एक आर्थिक संकट का प्रसार है और घरेलू या अंतरराष्ट्रीय स्तर दोनों पर हो सकता है।
- जोखिम मुख्य रूप से संपार्श्विक स्थिर सिक्कों से जुड़े होते हैं, जो आकार, तरलता और उनकी परिसंपत्ति होल्डिंग्स के जोखिम के साथ-साथ ऑपरेटर की पारदर्शिता और शासन के आधार पर भिन्न होते हैं।

वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम:

- जबकि स्थिर सिक्कों में वित्तीय सेवाओं के प्रावधान की दक्षता को बढ़ाने की क्षमता होती है, वे वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम भी उत्पन्न कर सकते हैं, खासकर यदि उन्हें एक महत्वपूर्ण पैमाने पर अपनाया जाता है।

जवाबदेही की कमी:

- वे सभी के द्वारा पारदर्शी या लेखा परीक्षा योग्य नहीं हैं और गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थों की तरह संचालित होते हैं जो पारंपरिक वाणिज्यिक बैंकों जैसी सेवाएं प्रदान करते हैं, लेकिन सामान्य बैंकिंग नियमों के बाहर।

विनियामक चुनौती:

- विविध अर्थव्यवस्थाओं, न्यायालयों, कानूनी प्रणालियों और आर्थिक विकास और जरूरतों के अलग-अलग स्तरों पर नियामक प्रयासों का अंतर्राष्ट्रीय समन्वय एक और नियामक चुनौती है।
- स्थिर सिक्कों से संबंधित दुनिया भर में नियामकों का एक समान नियामक दृष्टिकोण (अभी तक) नहीं है।

प्रारंभिक परीक्षा मुख्य तथ्य

इनसाइडर ट्रेडिंग

- सेबी एक नया ढांचा लेकर आया है जो ट्रेडिंग विंडो के बंद होने के दौरान कंपनी के अंदरूनी सूत्रों को शेयरों में डील करने से रोकेगा।

- इनसाइडर ट्रेडिंग को एक कदाचार के रूप में परिभाषित किया गया है **जिसमें कंपनी की प्रतिभूतियों का व्यापार उन लोगों द्वारा किया जाता है जो अपने काम के आधार पर अन्यथा गैर-सार्वजनिक जानकारी तक पहुंच रखते हैं जो निवेश निर्णय लेने के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं।**

बोर्रा गुफाएं

- बोर्रा गुफाएं, **जिन्हें बोर्रा गुहालू के नाम से भी जाना जाता है, आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जिले में, अराकू घाटी की अनंत गिरि पहाड़ियों के बीच हैं**।
- इन गुफाओं को **150 मिलियन वर्ष** से अधिक पुराना माना जाता है। गुफा का नाम इसके मध्य क्षेत्र के ऊपर छत में एक छेद से लिया गया है।

- **जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के विलियम किंग जॉर्ज** ने 1807 में गुफाओं को पाया।
- गुफाओं की खोज के आसपास विभिन्न किंवदंतियां हैं, जो गुफाओं के आसपास के समुदायों में रहने वाले **आदिवासी जटापू, पोरजा, कोंडाडोरा, नूकाडोरा, वाल्मीकि** आदि बताते हैं।
- गुफाओं के माध्यम से **गोस्थनी नदी** बहती है।
- शिव-पार्वती, ऋषि की दाढ़ी, मातृ-शिशु, मगरमच्छ, मानव मस्तिष्क, बाघ, और गाय के उदर इन गुफाओं में पाए जाने वाले कुछ स्टैलैक्टाइट और स्टैलग्माइट संरचनाएं हैं।
- गुफा के अंदर एक प्राकृतिक रूप से गठित शिवलिंग भी है, और आसपास के क्षेत्रों (जटापू, पोरजा, कोंडाडोरा और नूकाडोरा) के आदिवासी लोग लिंग से प्रार्थना करने के लिए हर शिवरात्रि पर गुफाओं में आते हैं।

महान बैरियर रीफ

- ऑस्ट्रेलियाई इंस्टीट्यूट ऑफ मरीन साइंस (एआईएमएस) की वार्षिक दीर्घकालिक निगरानी रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 36 वर्षों के भीतर कोरल कवर का उच्चतम स्तर, ऑस्ट्रेलिया के ग्रेट बैरियर रीफ (जीबीआर) के उत्तरी और मध्य भागों में दर्ज किया गया है।
- यह **दुनिया का सबसे व्यापक और शानदार कोरल रीफ पारिस्थितिकी तंत्र है जो 2,900 से अधिक व्यक्तिगत भित्तियों और 900 द्वीपों से बना है।**
- रीफ **ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड के तट से दूर कोरल सागर (उत्तर-पूर्वी तट)** में स्थित है।

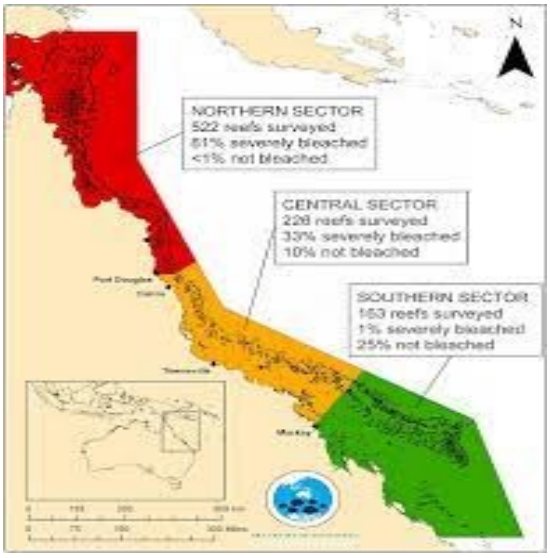

- इसे बाहरी अंतरिक्ष से देखा जा सकता है और यह जीवित जीवों द्वारा बनाई गई दुनिया की सबसे बड़ी एकल संरचना है।
- यह रीफ संरचना अरबों छोटे जीवों से बना और निर्मित है, जिन्हें कोरल पॉलीप्स के रूप में जाना जाता है।
- वे **आनुवंशिक रूप से समान जीवों से बने होते हैं जिन्हें पॉलीप्स कहा जाता है, जो छोटे, नरम शरीर वाले जीव होते हैं।** उनके आधार पर एक कठोर, सुरक्षात्मक चूना पत्थर कंकाल होता है जिसे कैलिकल कहा जाता है, जो प्रवाल भित्तियों की संरचना बनाता है।
- इन पॉलीप्स में सूक्ष्म शैवाल होते हैं जिन्हें ज़ोक्सेंथेला कहा जाता है जो उनके ऊतकों के भीतर रहते हैं। कोरल और शैवाल में एक पारस्परिक (सहजीवी) संबंध है।
- इसे 1981 में विश्व विरासत स्थल के रूप में चुना गया था।